

भारत-जर्मनी आर्थिक सहयोग मजबूत करने पर जोर, पीयूष गोयल ने उद्योगपतियों से की चर्चा

बर्लिन यात्रा के दौरान व्यापार, निवेश, उन्नत विनिर्माण और अनुसंधान के विस्तार पर मंथन

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जर्मनी की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान भारत और जर्मनी के बीच आर्थिक सहयोग मजबूत करने पर जोर दिया।

23 अक्टूबर को बर्लिन में संपन्न हुई इस यात्रा के दौरान उन्होंने जर्मन सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, प्रमुख उद्योगपतियों, अनुसंधान संस्थानों के प्रतिनिधियों और भारतीय समुदाय के सदस्यों से मुलाकात की। पीयूष गोयल ने जर्मन संघीय चांसलरी में आर्थिक एवं वित्तीय नीति सलाहकार तथा जी-7 और जी-20 के प्रतिनिधि लेविन होल के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसमें दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और निवेश के नए अवसर तलाशने पर चर्चा हुई।

केंद्रीय मंत्री ने सीमेंस हेल्थिनियर्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बर्न्ड मोंटेग, बर्टेल्समैन समूह के कार्यकारी मंडल के सदस्य कार्स्टन कोसफेल्ड और



वोक्सवैगन के वित्त प्रमुख एवं स्कोडा ऑटो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी होल्गर पीटर्स के साथ भी बैठकें कीं। इन बैठकों में व्यापार साझेदारी, निवेश और औद्योगिक सहयोग के विस्तार की संभावनाओं पर विचार किया गया।

गोयल ने जर्मनी के प्रमुख औद्योगिक अनुसंधान संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित विचार-विमर्श में भी हिस्सा लिया। इसमें उन्नत औद्योगिक तकनीक, नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र

में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा हुई। भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने भी जर्मन उद्योग प्रतिनिधियों और क्षेत्रीय संगठनों के साथ बैठकें कर व्यापार के नए अवसरों की तलाश की।

अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से केंद्रीय मंत्री ने जर्मनी में कार्यरत भारतीय वैज्ञानिकों और शोधार्थियों से संवाद किया। उन्होंने फ्राउनहोफर संस्थानों के प्रमुखों के साथ

आयोजित बैठक में सूक्ष्म इलेक्ट्रॉनिकी, विद्युत इलेक्ट्रॉनिकी, परिवहन एवं भंडारण व्यवस्था, आधुनिक विनिर्माण और बैटरी तकनीक जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। बैठकों में उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच साझेदारी मजबूत करने पर भी विचार किया गया। इसके अतिरिक्त, गोयल ने बर्लिन में भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत की और मीडिया को संबोधित किया।

खास-खबरें

मारुति विक्टोरिस का नया ऑरम संस्करण पेश, 22,990 रुपये में मिलेगी अतिरिक्त साज-सज्जा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: मारुति सुजुकी ने अपनी मध्यम आकार की खेल उपयोगिता गाड़ी विक्टोरिस की पहली वर्षगांठ के अवसर पर ऑरम संस्करण पेश किया है। यह विशेष साज-सज्जा पैकेज मजबूत संकर तकनीक वाले संस्करणों के लिए उपलब्ध होगा। इसकी कीमत 22,990 रुपये रखी गई है। यह गाड़ी का अलग इंजन वाला नया संस्करण नहीं, बल्कि अतिरिक्त सजावटी उपकरणों का पैकेज है। ऑरम संस्करण में गाड़ी के आगे, पीछे और किनारों पर तांबे के रंग की सजावट दी गई है। इसके अलावा पहियों के आसपास के हिस्सों और नीचे की सुरक्षा पट्टियों पर भी तांबे के रंग का उपयोग किया गया है। सामने की जाली, आगे के पंखों, बंपर, दरवाजों के किनारों और खिड़कियों के ऊपर क्रोम की सजावट मिलेगी।

गाड़ी के भीतर सभी मौसमों के अनुकूल त्रिआयामी फर्श चटाईयां, सामान रखने वाले पिछले हिस्से के लिए विशेष चटाई और पीछे के दरवाजे के निचले हिस्से की सुरक्षा पट्टी दी गई है। इन बदलावों का उद्देश्य गाड़ी को अलग रूप देना और उसकी आंतरिक सज्जा को अधिक उपयोगी बनाना है।

विक्टोरिस के मजबूत संकर संस्करण में 1.5 लीटर का पेट्रोल इंजन, विद्युत मोटर और बैटरी का संयोजन मिलता है। कंपनी के अनुसार, यह व्यवस्था कुल 116 अश्वशक्ति की शक्ति देती है। इसमें ई-सीबीटी स्वचालित गियर व्यवस्था दी गई है और शक्ति आगे के पहियों तक पहुंचती है। कंपनी ने इस संस्करण के लिए प्रति लीटर 28.65 किलोमीटर की प्रमाणित ईंधन क्षमता का दावा किया है। इंजन और मूल सुविधाओं में कोई बदलाव नहीं किया गया है। मारुति विक्टोरिस की शुआआती शोरूम कीमत 10.49 लाख रुपये है, जबकि मजबूत संकर संस्करणों की कीमत 16.42 लाख से 19.98 लाख रुपये तक है। ऑरम पैकेज के लिए अलग से 22,990 रुपये देने होंगे। कंपनी ने यह विशेष संस्करण उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश किया है, जो अपनी गाड़ी में अतिरिक्त सजावट और अलग पहचान चाहते हैं।

टाटा मोटर्स ने 90 दिनों में बेचीं दो लाख से ज्यादा कारें, बिक्री में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: टाटा मोटर्स ने वित्त वर्ष 2026–27 की दूसरी तिमाही में कारों की बिक्री के मामले में नया कीर्तिमान बनाया है। जुलाई से सितंबर 2026 के बीच कंपनी ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कुल 2,01,723 यात्री वाहन बेचे। पिछले वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 1,44,397 था। इस तरह कंपनी की बिक्री में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी ने घरेलू बाजार में 1,96,674 वाहन बेचे, जबकि 5,049 वाहनों का निर्यात किया। पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही में घरेलू बिक्री 1,40,189 वाहन रही थी। इस बार घरेलू बिक्री में 40 प्रतिशत का बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2026 तक टाटा मोटर्स ने कुल 3,76,840 यात्री वाहन बेचे। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में कंपनी ने 2,64,028 वाहन बेचे थे। इस तरह छह महीने की बिक्री में लगभग 42.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सितंबर कंपनी के लिए विशेष रूप से अच्छा रहा। इस महीने घरेलू बाजार में 68,810 वाहन बिके, जबकि 1,400 वाहनों का निर्यात हुआ। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों को मिलाकर कुल बिक्री 70,210 वाहन रही। टाटा मोटर्स के बिजली से चलने वाले वाहनों की बिक्री में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। दूसरी तिमाही में कंपनी ने 47,150 बिजली से चलने वाली कारें बेचीं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह संख्या 24,855 थी। इस तरह बिक्री में लगभग 90 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कंपनी की कुल यात्री वाहन बिक्री में बिजली से चलने वाले वाहनों की हिस्सेदारी 23 प्रतिशत रही। वहीं, संपीड़ित प्राकृतिक गैस से चलने वाले वाहनों की हिस्सेदारी 28 प्रतिशत थी। दोनों श्रेणियों को मिलाकर कंपनी की कुल बिक्री में इनकी हिस्सेदारी 51 प्रतिशत तक पहुंच गई। कंपनी के वाहन पोर्टफोलियो में पंच और नेक्सॉन जैसे लोकप्रिय वाहन शामिल हैं। बिक्री के इन आंकड़ों से त्योहारी मौसम से पहले कंपनी की बाजार स्थिति और वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों की बढ़ती मांग का संकेत मिलता है।

चालान से बचने के लिए तीन पहियों पर दौड़ी चीनी एसयूवी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: चीन की वाहन निर्माता कंपनी बीवाईडी की एक खेल उपयोगिता गाड़ी का वीडियो इन दिनों सामाजिक माध्यमों पर चर्चा में है। इसमें गाड़ी के अगले पहिए पर धातु का अवरोध लगा होने के बावजूद वाहन तीन पहियों पर सड़क पर चलता दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि यह घटना चीन के लियानयुंग्गान क्षेत्र के जिनशान कस्बे में हुई। हालांकि, वीडियो से यह स्पष्ट नहीं होता कि वाहन चालक ने जानबूझकर चालान से बचने के लिए ऐसा किया था या नहीं। वीडियो में गहरे हरे रंग की बीवाईडी फॉर्गचेगबाओ बाओ 8 गाड़ी का अगला बायां पहिया जमीन से ऊपर उठा हुआ दिखाई देता है। पहिए पर यातायात अधिकारियों की ओर से लगाया जाने वाला धातु का अवरोध भी लगा है। इसके बावजूद गाड़ी आगे बढ़ती नजर आती है। इस असामान्य दृश्य ने वाहन की तकनीक और यातायात नियमों को लेकर चर्चा शुरू कर दी है। इस गाड़ी में कंपनी की विशेष निलंबन प्रणाली 'डिडस-पी अल्ट्रू' दी गई है। यह तकनीक वाहन के प्रत्येक पहिए की स्थिति को अलग-अलग नियंत्रित कर सकती है। इसकी मदद से एक पहिए को जमीन से ऊपर उठाना संभव है। कंपनी ने इस तकनीक को मुख्य रूप से कठिन रास्तों पर वाहन चलाने और बिना पारंपरिक जैक के पहिया बदलने जैसी जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया है।

दिवाली से पहले बजाज पल्सर एनएस200 का नया अवतार, 1.60 लाख रुपये कीमत

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: बजाज ऑटो ने त्योहारी मौसम से पहले अपनी लोकप्रिय मोटरसाइकिल पल्सर एनएस200 का नया संस्करण भारतीय बाजार में उतारा है। इसमें कई तकनीकी और सुरक्षा संबंधी बदलाव किए गए हैं। दिल्ली में इसकी शुरुआती शोरूम कीमत 1,60,374 रुपये रखी गई है। पिछले संस्करण की तुलना में इसकी कीमत करीब 11 हजार रुपये अधिक है।

नई पल्सर एनएस200 में पांच इंच की रंगीन डिजिटल स्क्रीन दी गई है, जो पुराने प्रदर्शन पटल की जगह लेगी। इसमें दिशा बताने वाले गूगल मानचित्र को देखने की सुविधा भी है। इसके अलावा मोबाइल से संपर्क, संदेशों की सूचना और उपकरणों को चार्ज करने के लिए यूएसबी टाइप-सी जोड़ने की सुविधा दी गई है।

मोटरसाइकिल में इलेक्ट्रॉनिक थ्रॉटल तकनीक जोड़ी गई है, जिसकी सहायता से चालक सवारी के अलग-अलग तरीके चुन सकेगा। इसमें पहियों को फिसलने से रोकने वाली तकनीक और बिना क्लच दबाए ऊपर तथा नीचे गियर बदलने की सुविधा भी शामिल है। अचानक तेज ब्रेक लगाने पर पीछे चल रहे वाहनों को सतर्क करने के लिए चेतावनी व्यवस्था दी गई है।

इंजन और बनावट में बदलाव

नई पल्सर एनएस200 में पहले वाला 199.5 घन सेंटीमीटर का चार वाला वाला, तरल शीतलन तकनीक से युक्त इंजन बरकरार है। हालांकि, इसकी अधिकतम शक्ति 24.5 से बढ़ाकर 25.5 पीएस कर



» **पांच इंच की रंगीन स्क्रीन**

» **सवारी के अलग-अलग तरीके और फिसलन रोकने वाली तकनीक से लैस हुई मोटरसाइकिल**

दी गई है। इसमें छह गियर वाला प्रेषण तंत्र दिया गया है।मोटरसाइकिल के अगले निलंबन में भी बदलाव किया गया है। अब इसमें 33 मिलीमीटर के स्थान पर 37 मिलीमीटर के उल्टे दूरबीन कांटे दिए गए हैं। पीछे के पहिए में रेडियल टायर लगाया गया है, जिससे पकड़ और नियंत्रण बेहतर होने की उम्मीद है। कंपनी ने इसका मूल ढांचा बरकरार रखा है। नई मोटरसाइकिल तीन रंगों में उपलब्ध होगी, जिनमें काला, लाल, सफेद और नाडो ग्रे रंग विकल्प शामिल हैं। इन बदलावों के साथ कंपनी ने मोटरसाइकिल को अधिक सुविधाजनक और तकनीकी रूप से उन्नत बनाने पर ध्यान दिया।

स्पेशल खबर जियो और स्टारलिक में मुकाबले की तैयारी

भारत में जल्द शुरू हो सकती है उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा

» **एयरटेल समर्थित वनवेब भी दौड़ में शामिल**

» **दूरदराज के क्षेत्रों तक इंटरनेट पहुंचाने की तैयारी**

» **सेवाएं शुरू होने से पहले कुछ सरकारी मंजूरियां बाकी**

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारत में उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा शुरू करने की तैयारी तेज हो रही है। रिलायंस जियो, एलन मस्क की स्टारलिक और एयरटेल समर्थित वनवेब इस क्षेत्र में सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। हालांकि, व्यावसायिक सेवाएं शुरू करने के लिए कुछ सरकारी मंजूरियां और नियामकीय प्रक्रियाएं अभी पूरी होनी बाकी हैं। उपग्रह आधारित इंटरनेट का



सबसे बड़ा लाभ उन क्षेत्रों को मिल सकता है, जहां मोबाइल टावर या भूमिगत तारों के माध्यम से इंटरनेट पहुंचाना मुश्किल है। इनमें पहाड़ी इलाके, रेगिस्तान, जंगल, दूरदराज के

गांव, द्वीप और समुद्री क्षेत्र शामिल हैं। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी यह तकनीक संचार व्यवस्था बनाए रखने में उपयोगी हो सकती है।

जियो आईपीओ: तीन दिन में 22.19 गुना निवेश, सात नए कीर्तिमान बनाए

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: जियो प्लेटफॉर्मस के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम ने भारतीय शेयर बाजार में कई नए कीर्तिमान बनाए हैं। 30,213 करोड़ रुपये के इस निर्गम को तीन दिनों में कुल 22.19 गुना अभिदान मिला। निर्गम के लिए रखे गए लगभग 19.75 करोड़ शेयरों के मुकाबले निवेशकों ने 438 करोड़ से अधिक शेयरों के लिए बोलियां लगाईं।

कंपनी का यह निर्गम भारतीय कॉर्पोरेट इतिहास का सबसे बड़ा निर्गम बन गया है। इससे पहले यह कीर्तिमान हुंडई मोटर इंडिया के नाम था। जियो को एक करोड़ से अधिक व्यक्तिगत निवेशक आवेदन मिले, जो वैश्विक शेयर बाजार में किसी निर्गम के लिए नया कीर्तिमान बताया गया है। इससे पहले यह उपलब्धि वारी एनर्जीज के नाम थी, जिसे लगभग 97.3 लाख आवेदन मिले थे। निर्गम खुलने के 100 मिनट से भी कम समय में यह पूरी तरह भर गया। भारी मांग को देखते हुए बंबई और राष्ट्रीय शेयर बाजार ने

गुना और व्यक्तिगत निवेशकों की श्रेणी 2.72 गुना भरी।

इस निर्गम की एक अन्य विशेषता यह रही कि इसमें कंपनी ने केवल नए शेयर जारी किए। कुल 27 करोड़ नए शेयरों के माध्यम से 30,213 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई गई। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, मेटा और गूगल जैसे मौजूदा निवेशकों ने अपनी हिस्सेदारी नहीं बेची। नए शेयर जारी करने से प्राप्त राशि कंपनी को मिलेगी, जिसका उपयोग कारोबारी जरूरतों और विस्तार के लिए किया जा सकता है। निर्धारित ऊपरी मूल्य 1,119 रुपये प्रति शेयर के आधार पर कंपनी का अनुमानित बाजार पूंजीकरण लगभग 10.3 लाख करोड़ रुपये बताया गया है। इस आधार पर सूचीबद्ध होने के बाद कंपनी देश की सर्वाधिक मूल्यवान कंपनियों में शामिल हो सकती है। जियो के निर्गम को मिले व्यापक समर्थन ने संस्थागत और व्यक्तिगत निवेशकों की भागीदारी को रेखांकित किया है।



» **30,213 करोड़ रुपये का निर्गम 100 मिनट से भी कम समय में पूरी तरह भर**

» **बड़े संस्थागत निवेशकों ने दिखाई सर्वाधिक रुचि**

आवेदन की अवधि बढ़ाकर सुबह नौ बजे से शाम सात बजे तक कर दी थी। सामान्यतः यह अवधि सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक रहती है। निर्गम के लिए कुल शेयर मांग का मूल्य लगभग 7.4 लाख करोड़ रुपये रहा। इसमें बड़े संस्थागत निवेशकों की ओर से सर्वाधिक मांग आई। इस श्रेणी में आरक्षित शेयरों के मुकाबले 70.55 गुना आवेदन मिले। गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी 14

2030 से नई कारों में अपने आप ब्रेक लगाने की व्यवस्था अनिवार्य करने की तैयारी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और वाहनों में यात्रियों को सुरक्षा बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी कर रही है। इसके तहत एक अक्टूबर 2030 से बनने वाले सभी नए यात्री वाहनों में स्वतः आपातकालीन ब्रेक लगाने की व्यवस्था अनिवार्य करने का प्रस्ताव है। वहीं, एक अक्टूबर 2032 से बाजार में बिकने वाले सभी नए और पुराने वाहनों पर इसे लागू करने की योजना है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इस संबंध में प्रारूप नियम जारी किए हैं। सरकार ने आम लोगों, वाहन निर्माताओं और विशेषज्ञों से 30 दिन के भीतर सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। प्राप्त सुझावों की समीक्षा के बाद अंतिम नियम निर्धारित किए जाएंगे। प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार, यदि वाहन के सामने अचानक कोई व्यक्ति या दूसरी गाड़ी आ जाती है और चालक समय पर प्रतिक्रिया नहीं देता, तो वाहन की स्वचालित प्रणाली ब्रेक लगाकर दुर्घटना की आशंका कम करने में मदद करेगी। फिलहाल यह सुविधा मुख्य रूप से उन्नत सुरक्षा तकनीक से लैस महंगी कारों में उपलब्ध है। प्रस्ताव में छोटे मालवाहक वाहनों के लिए भी सुरक्षा मानक निर्धारित किए गए हैं। तीन दशमलव पांच टन तक वजन वाले मालवाहक वाहनों में एक अक्टूबर 2028 से स्वतः ब्रेक व्यवस्था देने पर भारतीय मानकों का पालन करना होगा।

इसके अलावा, एक अक्टूबर 2029 से बसों, टैक्सियों और अन्य व्यावसायिक वाहनों में चालक को नौंद आने या ध्यान भटकने पर चेतावनी देने वाली प्रणाली अनिवार्य करने का प्रस्ताव है। यह व्यवस्था चालक को समय रहते सचेत करेगी, जिससे दुर्घटनाओं का जोखिम घटाने में सहायता मिल सकती है। इसी अवधि से व्यावसायिक वाहनों में ऐसा तंत्र लगाने का भी प्रस्ताव है, जो वाहन के निर्धारित मार्ग की पट्टी से बाहर जाने पर चालक को सतर्क करेगा। प्रारूप में बच्चों की सुरक्षा और दुर्घटना के दौरान वाहन के भीतर रखे सामान से यात्रियों को चोट लगने से बचाने संबंधी प्रावधान भी शामिल हैं।

माथे पर चिपकने वाले टेंपल उपकरण की कीमत 85 हजार रुपये, 1 नवंबर से शुरू होगी बुकिंग

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: जोमैटो के सह-संस्थापक दीपेंद्र गोयल का नया स्वास्थ्य एवं तंदुरुस्ती उपकरण टेंपल इन दिनों चर्चा में है। माथे के पास चिपकाकर पहने जाने वाले इस उपकरण की शुरुआती कीमत 85 हजार रुपये बताई गई है। इसमें आजीवन सदस्यता भी शामिल है। इसकी पहली खेप के लिए बुकिंग एक नवंबर 2026 से शुरू होगी। हालांकि, कंपनी ने अभी कीमत की औपचारिक सार्वजनिक घोषणा नहीं की है।

उपकरण की कीमत की जानकारी उन लोगों को मिले निमंत्रण से सामने आई है, जिन्हें कंपनी ने शुरुआती पहुंच के लिए चुना है। ऐसे ग्राहक टेंपल के अप्रुपयोग के माध्यम से आम बुकिंग शुरू होने से पहले भी अपना उपकरण मंगा सकते हैं। पहली खेप में उपकरणों की संख्या सीमित रखी जाएगी।

मस्तिष्क में रक्त प्रवाह पर नजर

टेंपल सामान्य स्मार्ट घड़ी और तंदुरुस्ती मापक उपकरणों से अलग है। जहां अधिकांश उपकरण कदमों की संख्या, हृदय गति और नौंद का हिसाब रखते हैं, वहीं टेंपल मस्तिष्क में रक्त प्रवाह से जुड़े बदलावों को मापने के लिए तैयार किया गया है। इसकी तकनीक को ‘ब्रेन फ्लो’ नाम दिया गया है। यह प्रकाशीय संवेदकों की सहायता से रक्त प्रवाह में होने वाले परिवर्तनों से जुड़े संकेतों का

आकलन करता है। यह उपकरण माथे और कान के बीच सिर के किनारे लगाया जाता है। इसे त्वच पर चिपकाने के लिए विशेष चिपकने वाली पट्टियों का इस्तेमाल किया जाता है। इसका उद्देश्य दैनिक गतिविधियों, व्यायाम, नौंद और तनाव के दौरान शरीर में होने वाले बदलावों को समझने में सहायता देना है।

छह रंगों में उपलब्ध होगा उपकरण

टेंपल को छह रंगों में पेश करने की योजना है। इनमें दू गोल्ड, रोज गोल्ड, ब्लैक मिरर, रियल जेड, डीप ब्लू और पर्पल फंक शामिल हैं। शुरुआती खेप में कितने उपकरण उपलब्ध होंगे।

कैसे काम करेगी यह सेवा

पारंपरिक इंटरनेट में मोबाइल टावर या तारों के माध्यम से संकेत पहुंचाए जाते हैं। इसके विपरीत, उपग्रह आधारित इंटरनेट में पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित उपग्रहों की सहायता से संकेतों का आदान-प्रदान होता है। इस सेवा का उपयोग करने के लिए घर या कार्यालय की छत पर एक विशेष उपकरण लगाया जाता है। यह उपकरण उपग्रह से संकेत प्राप्त करने और भेजने का काम करता है। इसके बाद तार के माध्यम से इसे घर के भीतर लगे बेतार इंटरनेट यंत्र से जोड़ा जाता है। इससे मोबाइल, दूरदर्शन, संपणक और अन्य उपकरणों पर इंटरनेट चलाया जा सकता है।

जियो और स्टारलिक की अलग-अलग तैयारी

स्टारलिक के पास पहले से कई देशों में उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा का नेटवर्क है। कंपनी की योजना भारत के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों तक तेज इंटरनेट पहुंचाने की है। वहीं, जियो अपने मौजूदा दूरसंचार और इंटरनेट नेटवर्क के साथ उपग्रह तकनीक को जोड़ने की तैयारी कर रहा है। कंपनी ने क्फायती सेवा देने की दिशा में प्रतियोगी का संकेत दिया है।

शुल्क और उपकरण की कीमत पर स्पष्टता नहीं

भारत में इन सेवाओं के मासिक शुल्क, उपकरण की कीमत और रखाणा खर्च को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। अमेरिका में स्टारलिक की शुरुआती घरेलू योजना लगभग 55 डॉलर मासिक की है, जो भारतीय मुद्रा में करीब 5,200 रुपये होती है।